● **सुनो, पढ़ो और गाओ :**

१३. मेरे देश के लाल

– बालकवि बैरागी

जन्म : १० फरवरी १९३१, रामपुर, मंदसौर (म.प्र.) **रचनाएँ :** सूर्य उवाच, हैं करोड़ों सूर्य, दीपनिष्ठा को जगाओ, प्रतिनिधि रचनाएँ, बाल कविताएँ आदि **परिचय :** सांसद, पत्रकार, शिक्षाविद, हिंदी कवि और फिल्मी गीतकार के रूप में बैरागी जी ने बहुत ख्याति अर्जित की है ।

प्रस्तुत गीत के माध्यम से कवि ने सेनानियों की आन-बान-शान एवं हमारे स्वाभिमान को दर्शाया है ।

बताओ तो सही

अपने राष्ट्रध्वज की जानकारी बताओ । जैसे- राष्ट्रध्वज का आकार, रंगों का क्रम, चक्र की विशेषताएँ आदि ।

पराधीनता को जहाँ समझा श्राप महान
कण-कण के खातिर जहाँ हुए कोटि बलिदान
मरना पर झुकना नहीं, मिला जिसे वरदान
सुनो-सुनो उस देश की शूर-वीर संतान

आन-मान अभिमान की धरती पैदा करती दीवाने
मेरे देश के लाल हठीले शीश झुकाना क्या जानें ।

दूध-दही की नदियाँ जिसके आँचल में कलकल करतीं
हीरा, पन्ना, माणिक से है पटी जहाँ की शुभ धरती
हल की नोकें जिस धरती की मोती से माँगे भरतीं
उच्च हिमालय के शिखरों पर जिसकी ऊँची ध्वजा फहरती

रखवाले ऐसी धरती के हाथ बढ़ाना क्या जानें
मेरे देश के लाल हठीले शीश झुकाना क्या जानें ।

❑ उचित हाव-भाव, लय-ताल के साथ कविता का पाठ करें । उचित हाव-भाव के साथ विद्यार्थियों से सामूहिक, गुट में एवं एकल पाठ कराएँ । प्रश्नोत्तर एवं चर्चा के माध्यम से कविता में आए भावों एवं विचारों को स्पष्ट कराएँ ।

सुनो तो जरा

आकाशवाणी/सी. डी./दूरदर्शन पर 'ए मेरे वतन के लोगों' गीत सुनो ।

आजादी अधिकार सभी का जहाँ बोलते सेनानी
विश्व शांति के गीत सुनाती जहाँ चुनरिया ये धानी
मेघ साँवले बरसाते हैं जहाँ अहिंसा का पानी
अपनी माँगे पोंछ डालती हँसते-हँसते कल्याणी

ऐसी भारत माँ के बेटे मान गँवाना क्या जानें
मेरे देश के लाल हठीले शीश झुकाना क्या जानें ।

जहाँ पढ़ाया जाता केवल माँ की खातिर मर जाना
जहाँ सिखाया जाता केवल करके अपना वचन निभाना
जियो शान से, मरो शान से, जहाँ का है कौमी गाना
बच्चा-बच्चा पहने रहता जहाँ शहीदों का बाना

उस धरती के अमर सिपाही पीठ दिखाना क्या जानें
मेरे देश के लाल हठीले शीश झुकाना क्या जानें ।

❑ स्वाधीनता और पराधीनता पर चर्चा करें । 'पराधीनता एक अभिशाप है' इस विषय पर दस से पंद्रह वाक्य लिखवाएँ । कविता में 'मोती से माँगे भरती' माँ के खातिर मर जाना' में 'मोती' और 'माँ' शब्द किन के संदर्भ में आए हैं, चर्चा कराएँ ।

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द
हठीले = हठी, जिद्दी
कौमी = राष्ट्रीय
चुनरिया = चूनरी
बाना = पहनावा, पोशाक

विचार मंथन

।। पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं ।।

मेरी कलम से

'मेरा देश' इस विषय पर चार पंक्तियों की कविता लिखो ।

जरा सोचो ..... बताओ

यदि तुम्हें २६ जनवरी के 'राष्ट्रीय संचलन' में हिस्सा लेने का अवसर प्राप्त हो जाए तो ...

स्वयं अध्ययन

अपने राज्य की सुरक्षा व सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए कौन-से विभाग कार्य करते हैं ? बताओ और लिखो ।

---------- ---------- ---------- ----------

वाचन जगत से

किसी एक प्रयाणगीत का वाचन करो । गुट बनाकर शालेय समारोह में सुनाओ ।

खोजबीन

आजाद भारत के प्रधानमंत्रियों के क्रमशः नाम और कार्यकाल की जानकारी ढूँढ़ो और चार्ट बनाओ ।

अध्ययन कौशल

पढ़े हुए किसी निबंध का सारांश अपने शब्दों में लिखो ।

* कविता के आधार पर भारत की विशेषताएँ लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो

देशहित के प्रति सदैव जागरूक, कर्मनिष्ठ रहो ।

भाषा की ओर

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के सभी प्रकारों के वाक्य बनाकर लिखो और कोष्ठक में भेद लिखो :

संज्ञा के भेद	मयूरी	(१) मयूरी दौड़ती है ।	(व्यक्तिवाचक)
	लड़की	(२) ----------------------	(----------)
	थकान	(३) ----------------------	(----------)
	पानी	(४) ----------------------	(----------)
	दर्शकगण	(५) ----------------------	(----------)
सर्वनाम के भेद	वह	(१) वह पाठशाला जाती है ।	(पुरुषवाचक)
	कोई	(२) ----------------------	(----------)
	वही	(३) ----------------------	(----------)
	क्या	(४) ----------------------	(----------)
	स्वयं ही	(५) ----------------------	(----------)
विशेषण के भेद	मीटर	(१) साड़ी लगभग पाँच मीटर लंबी है ।	(परिमाणवाचक)
	कुशल	(२) ----------------------	(----------)
	ये	(३) ----------------------	(----------)
	पाँच	(४) ----------------------	(----------)
	यह	(५) ----------------------	(----------)
क्रिया के भेद	तैरती है	(१) मोहिनी तैरती है ।	(अकर्मक)
	कूद पड़ी	(२) ----------------------	(----------)
	सिखाना	(३) ----------------------	(----------)
	सिखवाना	(४) ----------------------	(----------)
	खाता	(५) ----------------------	(----------)